VISHWARANG 2024 @MAURITIUS

विश्व रंग
भारतीय संस्कृति, वैश्विक मंच!
VOL 6 PAGE 1

मॉरीशस में
विश्व रंग 2024
का भव्य, अद्भुत और ऐतिहासिक आयोजन

मॉरीशस की सरजमीं से हिंदी के वैश्विक पटल पर लिखी गई एक सुनहरी इबारत

वैश्विक स्तर पर हिंदी को आगे ले जाने के अब कई रास्ते खुले

भाषा, साहित्य, कला और संस्कृति के इन्द्रधनुषी रंगों से सराबोर एशिया के सबसे विराट महोत्सव 'विश्वरंग' का छटवाँ सोपान हिंद महासागर में स्थित समुद्र तटों और सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाने वाला सुंदर देश 'मॉरीशस' में पूर्ण भव्यता के साथ आयोजित हुआ। 7,8 और 9 अगस्त 2024 को भारत –मॉरीशस सहित रूस,जापान, दक्षिण कोरिया, यू.के., अमेरिका, आस्ट्रेलिया, जर्मनी, केन्या, इंडोनेशिया, बेहरीन, यू.ए.ई., साइप्रस, श्रीलंका, मलेशिया, नाइजीरिया, न्यूजीलैंड, नेपाल, कतर, सूरीनाम से रचनाकार–कलाकार एवं शिक्षाविद् हिंदी का परचम लहराने विश्व रंग के वैश्विक मंच पर एक साथ एकत्रित हुए।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय भोपाल(भारत), विश्व रंग सचिवालय के कुशल नेतृत्व में विश्व हिंदी सचिवालय (मॉरीशस), विश्व रंग सचिवालय (भारत) की मुख्य मेजबानी में आयोजित विश्व रंग 2024 ने मॉरीशस की सरजमीं से हिंदी के लिए वैश्विक पटल पर एक सुनहरी इबारत गढ़ी है।

मॉरीशस के प्रधानमंत्री श्री प्रवीण कुमार जगनाथ विश्व रंग समारोह को सम्बोधित करते हुए।

मॉरीशस के राष्ट्रपती श्री पृथ्वी राज सिंह रूपन और उप- प्रधानमंत्री श्रीमती लीला देवी दुकन ने रबिन्द्रनाथ टेगोर की प्रतिमा का अनावरण किया।

तीन दिवसीय 'विश्व रंग 2024' टैगोर अंतरराष्ट्रीय साहित्य एवं कला महोत्सव में मॉरीशस गणराज्य के महामहिम राष्ट्रपति श्री पृथ्वीराज सिंह रूपन, माननीय प्रधानमंत्री श्री प्रवीण कुमार जगनाथ, माननीया उप प्रधानमंत्री श्रीमती लीला देवी दुकन, भारत की महामहिम उच्चायुक्त श्रीमती नंदनी के. सिंगला (मॉरीशस) सहित मॉरीशस के कई माननीय मंत्रीगण, अधिकारीगण एवं वरिष्ठ साहित्यकारों ने अपनी गरिमामय उपस्थिति और प्रेरणादायक ओजस्वी उद्बोधनों से इसे नई ऊँचाइयाँ प्रदान की। टेगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र (भारत), टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केंद्र (भारत), महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट (मॉरीशस), रबीन्द्रनाथ टैगोर इंस्टीट्यूट (मॉरीशस), हिंदी स्पीकिंग यूनियन (मॉरीशस), हिंदी प्रचारिणी सभा (मॉरीशस), इंदिरा गांधी भारतीय सांस्कृतिक केंद्र (मॉरीशस), मॉरीशस ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (मॉरीशस), वनमाली सृजन पीठ (भारत) एवं देश–विदेश के 50 से अधिक संस्थानों के सहयोग ने 'विश्व रंग 2024' के 'मॉरीशस' में आयोजन को सदैव के लिए अविस्मरणीय बना दिया। विश्व रंग के मॉरीशस में भव्य, अद्भुत और ऐतिहासिक आयोजन से वैश्विक स्तर पर हिंदी को आगे ले जाने के अब कई रास्ते खुले हैं।

विश्व रंग

भारतीय संस्कृति, वैश्विक मंच!

आयोजक

RNTU Rabindranath TAGORE UNIVERSITY MADHYA PRADESH, BHOPAL

विश्व हिंदी सचिवालय

मॉरीशस में महका विश्व रंग 2024

मॉरीशस की उपप्रधानमंत्री लीला देवी दुकन विश्व रंग 2024 के उद्घाटन सत्र को समबोधित करते हुए।

साहित्य, कला, संस्कृति के वैश्विक महोत्सव विश्वरंग 2024 का विश्व हिंदी सचिवालय में मॉरीशस की उपप्रधानमंत्री, शिक्षा, तृतीयक शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौधोगिकी मंत्री माननीया लीला देवी दुकन ने किया भव्य शुभारंभ।

मॉरीशस–भारत, अमेरिका, यू.के., कतर, न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया, सूरीनाम, जापान, यू.ए.ई., दक्षिण कोरिया, केन्या, जर्मनी, साइप्रस, बहरीन, इंडोनेशिया, श्रीलंका, नेपाल, मलेशिया, रूस, नाइजीरिया, आदि देशों से पधारे रचनाकारों सहित मॉरीशस के कला प्रेमी विश्व रंग के रंगों से हुए सराबोर

65 देशों में हिंदी की स्थिति पर केन्द्रित विस्तृत शोध पुस्तक 'विश्व में हिंदी' का हुआ लोकार्पण प्रवासी साहित्य श्रृंखला के अंतर्गत जर्मनी, कतर, आयरलैंड, नेपाल, नीदरलैंड्स, कनाडा, फीजी, रूस, सिंगापुर, यूएई, यू.के. की चयनित रचनाओं की ग्यारह पुस्तकें हुई लोकार्पित अंतर्लय, होरी हो ब्रजराज, कविता यात्रा, फुहार क्लासिक पुस्तकें हुई लोकार्पित

विश्व रंग 2024 के छटवें संस्करण का आगाज महासागर के बीच कला, संस्कृति, साहित्य, और भाषा को मूल रूप में संजोए रखने वाले सुंदर और मनमोहक देश मॉरीशस में पूर्ण भव्यता के साथ हुआ। विश्व रंग 7,8,9 अगस्त तक विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस में आयोजित किया जा रहा है।

विश्व रंग के शुभारंभ अवसर पर शोभा यात्रा का रंगारंग आयोजन किया गया। इस अवसर पर उद्घाटन समारोह की मुख्य अतिथि मॉरीशस की उप प्रधानमंत्री एवं शिक्षा तृतीय, शिक्षा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की मंत्री लीला देवी दुकन उपस्थित थी. इस गरिमामय अवसर पर भारत की महामहिम उच्चायुक्त नंदनी के सिंगला, मॉरीशस एवं भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे, विश्व रंग के महानिदेशक श्री संतोष चौबे विश्व हिंदी सचिवालय मॉरीशस की महासचिव डॉ. माधुरी रामधारी एवं रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्व विद्यालय के कुलाधिपति डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी विशेष रूप से उपस्थित थे।

कार्यक्रम में उपस्थित उप प्रधानमंत्री मुख्य अतिथि लीला देवी ने कहा कि बहुत ही गर्व की बात है, कि भोपाल (भारत) से निकलकर मॉरीशस आना अपने आप में बहुत बड़ी बात है। पूरा मॉरीशस इस बात को लेकर बहुत गौरांवित है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की भाषा और संस्कृति सुरक्षा कवच की तरह होती है। अस्तित्व और पहचान बनाने के लिए भाषा और संस्कृति को सुरक्षित रखना बहुत जरूरी होता है। समय–समय पर इस कवच को प्रबल भी बनाना चाहिए।

विश्व रंग के निदेशक एवं स्वप्नदृष्टा श्री संतोष चौबे ने कहा कि मुझे यह कहते हुए बड़ा गर्व है, कि हिंदी विश्व की तीसरी भाषा के रूप में जानी जाती है। उन्होंने कहा कि हम पिछले 40 वर्षों से हिंदी के संरक्षण, संवर्धन, और प्रचार प्रसार की दिशा में निरंतर कार्य कर रहे हैं. संतोष चौबे ने कहा कि मनुष्य को बदलने की ताकत कला, संस्कृति, साहित्य और भाषा में होती है। उन्होंने बताया कि रविंद्र नाथ टैगोर एक अच्छे लेखक होने के साथ चित्रकार, कवि, साहित्यकार, और संगीत के ज्ञाता भी थे। इसलिए यहां गुरुदेव रविंद्र नाथ टैगोर की प्रतिमा भी स्थापित की जा रही है। इस अवसर पर उन्होंने अंतर मेरा विकसित करो.....! गुरुदेव रविंद्र नाथ टैगोर की कविता का भी पाठकिया।

मॉरीशस की महासचिव डॉ. माधुरी रामधारी ने कहा वह बहुत ही शुभ घड़ी रही होगी, जब विश्व रंग के निदेशक संतोष चौबे जी के मन मे विचार आया होगा। उन्होंने कहा कि विश्व रंग ने हिंदी को लेकर एक नया इतिहास रचा है भोपाल से हिंदी की शुरू हुई यात्रा आज महासागर के देश तक पहुंच गई है।

मुख्य अतिथी मॉरीशस की उपप्रधानमंत्री लीला देवी दुकन का अभिनन्दन करते हुए विश्व रंग के निदेशक श्री संतोष चौबे

वैचारिक सत्र

भारतीय संस्कृति और भाषाओं के विस्तार में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद की भूमिका

मॉरीशस : प्रथम दिवस भारतीय संस्कृति और भाषाओं के विस्तार में भारतीय सांस्कतिक संबंध परिषद की भूमिका विषय पर परिचर्चा और संवाद का आयोजन किया गया। इसमें भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे से विश्व रंग के निदेशक संतोष चौबे ने खुलकर चर्चा की। श्री संतोष चौबे ने भारतीय संस्कृति और भाषाओं के विस्तार में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के कार्य के संबंध में जानना चाहा, इस पर उन्होंने परिषद के संपूर्ण कार्यशैली और काम करने के तरीके को विस्तार से सभी के सामने रखा। उन्होंने कहा की भाषा संस्कृति की संवाहक है, संस्कृति को समझने के लिए भाषा को समझना बेहद जरूरी है. उन्होंने कहा कि भाषा सीखने से किसी भी देश या राज्य की संस्कृति और इतिहास से व्यक्ति परिचित हो जाता है. चर्चा में उन्होंने हिंदी भाषा में समन्वय और शुद्धता की बात भी कही। उन्होंने कहा कि हमें अन्य भाषाओं से समन्वय जरूर रखना चाहिए, लेकिन भाषा में शुद्धता का भी विशेष ध्यान रखना होगा। विश्व रंग के निदेशक संतोष चौबे ने कहा की भाषा और साहित्य मिलकर संस्कृति का सृजन करते हैं। चर्चा में तकनीक के उपयोग पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में श्री सहस्त्रबुद्धे ने देश–विदेश से आए विभिन्न लोगों से हिंदी के संबंध में किए गए अनेक सवालों के जवाब भी दिए।

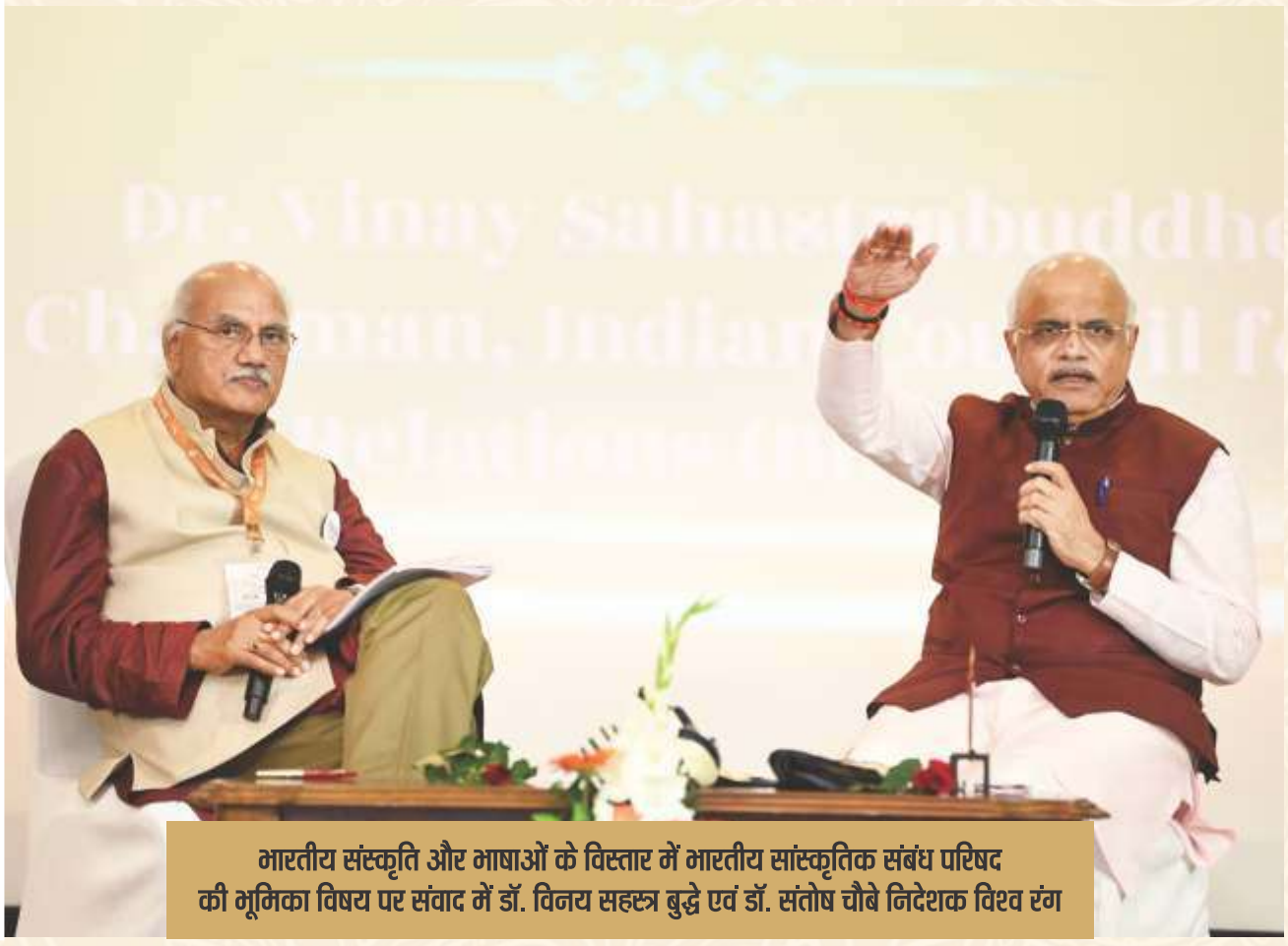

भारतीय संस्कृति और भाषाओं के विस्तार में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद की भूमिका विषय पर संवाद में डॉ. विनय सहस्त्र बुद्धे एवं डॉ. संतोष चौबे निदेशक विश्व रंग

शिक्षा और कौशल विकासः वैश्विक क्षितिज विषय पर व्याख्यान

मॉरीशस : प्रथम दिन के द्वितीय सत्र में शिक्षा,कौशल विकास, कृषि, उद्यमिता, वैश्विक क्षितिज विषय पर व्याख्यान में विश्व रंग के सह निदेशक डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, कुलपति प्रोफेसर अरुण जोशी, रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. विजय सिंह, आईसेक्ट यूनिवर्सिटी की रजिस्ट्रार डॉ. पुष्पा असिवाल, अमेरिका से आए पद्मेश गुप्त, नेटबुक भारत के संजीव कुमार ने विषय पर अपनी बात रखी। सत्र के दौरान विद्यार्थियों, कौशल विकास, उद्यमिता, कृषि, सहित सभी विषयों पर नए विचार भी आए।

इस अवसर पर सर्व प्रथम डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, महिलाओं की भागीदारी, कैसे बढ़ाए रोजगार के अवसर, कैसे युवाओं को उपलब्ध हो उद्यमिता, शिक्षा पर क्या प्रयास किए जाने चाहिए. भारतीय स्किल्ड मैनपॉवर कैसे तैयार हो, एग्रीकल्चर किस दिशा में काम किया जा सकता है, विषयों का विषय प्रवर्तन किया। उन्होंने उक्त सभी विषयों पर वर्तमान परिवेश के कार्य और भावी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी रखी। व्याख्यान में संजीव कुमार ने कहा कि उद्यमिता में नए नवाचार जरूरी हैं। क्या नए नवाचार किया जा सकता है, साथ ही सामाजिक उद्यमिता पर भी काम किया जाना चाहिए। इन सभी विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उद्यमिता का महत्वपूर्ण बिंदु यह भी है कि हम वित्तीय संसाधन कैसे उपयोग करते हैं। बहुत कम या बहुत अधिक आर्थिक संसाधन दोनों ही हानिकारक है। इसी तरह रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय भोपाल के रजिस्ट्रार डॉ. विजय सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में स्किल और रोजगार को विशेष स्थान दिया गया है। हम इस दिशा में तेजी से काम कर रहे हैं। साथ ही सेंटर फॉर एक्सीलेंस की स्थापना, स्टार्टअप, विश्वविद्यालय में तैयार किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप रोजगार ,स्किल सहित सभी विषयों में विश्वविद्यालय कार्य कर रहा है। उन्होंने जापान, जर्मनी में स्किल की मांग के बारे में विस्तार से जानकारी दी और यह भी बताया कि स्किल्डनहीं होने के कारण हम वह मांग पूरी नहीं कर पा रहे हैं। इस अवसर पर कुलपति श्री अरुण जोशी ने कहा कि किसान सबसे बड़ा उद्यमी है, जो हर बार बड़े से बड़ा नुकसान होने के बाद भी हर बार उतनी ही मेहनत करता है। किसान एक ऐसा व्यक्ति है ,जिसके लिए बाजार वह स्वयं तैयार नहीं करता दूसरे लोग उसके मेहनत का मूल्यांकन करते हैं।

वैचारिक एवं रचना सत्र

नेपाल की प्रतिनिधी डॉ. संजीता वर्मा ने विश्व रंग के सह-निदेशक डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी एवं माधुरी रामधारी, अरविन्द चतुर्वेदी एवं जवाहर करनावट को नेपाल की हिन्दी धारा सम्मान प्रदान किया

पुस्तक 'प्रवासी हिन्दी गूंज उठी' का विमोचन करते हुए विश्व रंग के निदेशक संतोष चौबे एवं अन्य प्रतिनिधी

क्षमा मालवीय द्वारा निर्देशित

होरी हो ब्रजराज

की रंगारंग लय-ताल पर थिरक उठा मॉरीशस

मॉरीशस, भारत, अमेरिका, यू.के., कतर, न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया, सूरीनाम, जापान, यू.ए.ई., दक्षिण कोरिया, केन्या, जर्मनी, साइप्रस, बहरीन, इंडोनेशिया, श्रीलंका, नेपाल, मलेशिया, रूस, नाइजीरिया, आदि देशों से पधारे रचनाकारों सहित मॉरीशस के कलाप्रेमी विश्व रंग के रंगों से हुए सराबोर।

विश्व रंग

भारतीय संस्कृति, वैश्विक मंच!

आयोजक

RNTU Rabindranath TAGORE UNIVERSITY MADHYA PRADESH, BHOPAL

विश्व हिंदी सचिवालय

मॉरीशस में विश्व रंग 2024 का दूसरा दिन

राष्ट्रपति पृथ्वीराज सिंह रूपन द्वारा रबीन्द्रनाथ टैगोर की मूर्ति का अनावरण

विश्व रंग 2024 के अंतर्गत रबीन्द्रनाथ टैगोर संस्थान, मॉरीशस में रबीन्द्रनाथ टैगोर की मूर्ति का अनावरण महामहिम श्री पृथ्वीराज सिंह रूपन जी.सी.एस.के. मॉरीशस गणराज्य के राष्ट्रपति के करकमलों द्वारा किया गया। उल्लेखनीय है की गुरदेव की मूर्ति की स्थापना रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, (भोपाल, भारत) के द्वारा मॉरीशस में की गई है।

इस अवसर पर श्री पृथ्वीराज सिंह रूपन द्वारा गुरुदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर की चित्रकला प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया गया। गुरुदेव की चित्रकला की यह प्रदर्शनी रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (भोपाल, भारत) द्वारा मॉरीशस स्थित रबीन्द्रनाथ टैगोर संस्थान को भेंट की गई।

इस अवसर पर विश्व रंग की अवधारणा पर श्री संतोष चौबे ने प्रकाश डाला। इन्द्रदत्त राम, अध्यक्ष, महात्मा गांधी संस्थान एवं रबीन्द्रनाथ टैगोर संस्थान, मॉरीशस ने भी अपने विचार व्यक्त किये। धन्यवाद ज्ञापन श्री करमलाल मांतादिन (मॉरीशस) द्वारा किया गया। समारोह का संचालन डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी द्वारा किया गया। इस अवसर पर मॉरीशस सरकार के कई मंत्रीगण एवं वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहें।

> मॉरीशस में विश्व रंग का होना और गुरूदेव की मूर्ती की स्थापना अपने आप में एक ऐतिहासिक घटना है
>
> महामहिम श्री पृथ्वीराज सिंह रूपन - राष्ट्रपति, मॉरीशस गणराज

महामहिम श्री पृथ्वीराज सिंह रूपन जी.सी.एस.के. मॉरीशस गणराज्य के राष्ट्रपति द्वारा गुरुदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर की चित्रकला प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया गया। गुरुदेव की चित्रकला की यह प्रदर्शनी भी रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (भोपाल, भारत) द्वारा मॉरीशस स्थित रबीन्द्रनाथ टैगोर संस्थान को भेंट की गई।

शिक्षा, शोध, तकनीकी, कौशल विकास, साहित्य, कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में मिलकर कार्य करने हेतु मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैडिंग

विश्व रंग 2024 के दूसरे दिन श्री पृथ्वीराज सिंह रूपन जी.सी.एस.के. मॉरीशस गणराज्य के राष्ट्रपति , माननीया लीलादेवी दुकन उप-प्रधान मंत्री और विश्व रंग के निदेशक श्री संतोष चौबे की गरिमामय उपस्थिति में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (भारत) तथा महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस के बीच शिक्षा, शोध, तकनीकी, कौशल विकास तथा साहित्य, कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में मिलकर कार्य करने हेतु मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैडिंग पर हस्ताक्षर किये गये। डॉ. विजय सिंह, कुलसचिव, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (भारत) तथा डॉ. राजकुमार रामपरताब, महानिदेशक, महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस ने संयुक्त रूप से मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैडिंग पर हस्ताक्षर किये।

वैचारिक सत्र

स्मरणः अभिमन्यु अनत

अभिमन्यु अनत– विश्व साहित्य चेतना के रचनाकार विषय
पर वरिष्ठ कवि डॉ. जितेन्द्र श्रीवास्तव (दिल्ली, भारत) ने किया विषय प्रवर्तन।
डॉ. वेदप्रकाश सिंह (जापान),
डॉ. संयुक्ता भोवन रामसारा (मॉरीशस),
और युवा आलोचक अच्युतानंद मिश्र (केरल, भारत) ने वक्तव्य दिया।

रचना सत्र-अंतर्राष्ट्रीय कविता पाठ

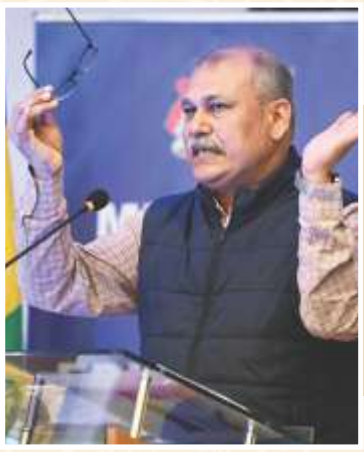

भोजपुरी भाषा एवं साहित्य के विविध आयाम

विश्व के देशों में हिन्दी: स्थिति और संभावनाऐं (नई पीढ़ी के संदर्भ में)

हिन्दी में विज्ञान लेखन: चुनौतियां और संभावनाऐं

हिन्दी का वैश्विक प्रसार और जनसंचार माध्यम

वरिष्ठ सम्पादक एवं रचनाकार ओम थानवी हिन्दी के वैश्विक प्रसार में जनसंचार माध्यमों की भूमिका पर विचार रखते हुए।

हिन्दी की विश्व चेतना और साहित्य

हिन्दी की विश्व चेतना और साहित्य के सत्र में 'साहित्य का विश्वरंग' पत्रिका का विमोचन करते हुए उपस्थित अतिथी साहित्यकार

हिन्दी शिक्षण में नवाचार और वैश्विक संदर्भ में प्रौद्योगिकी का प्रयोग

TAGORE INTERNATIONAL LITERATURE & ARTS FESTIVAL
विश्व रंग
भारतीय संस्कृति, वैश्विक मंच!

मॉरीशस के कलाकारों द्वारा नृत्य की प्रस्तुति

जयती चकवर्ती द्वारा रवीन्द्र संगीत की प्रस्तुति

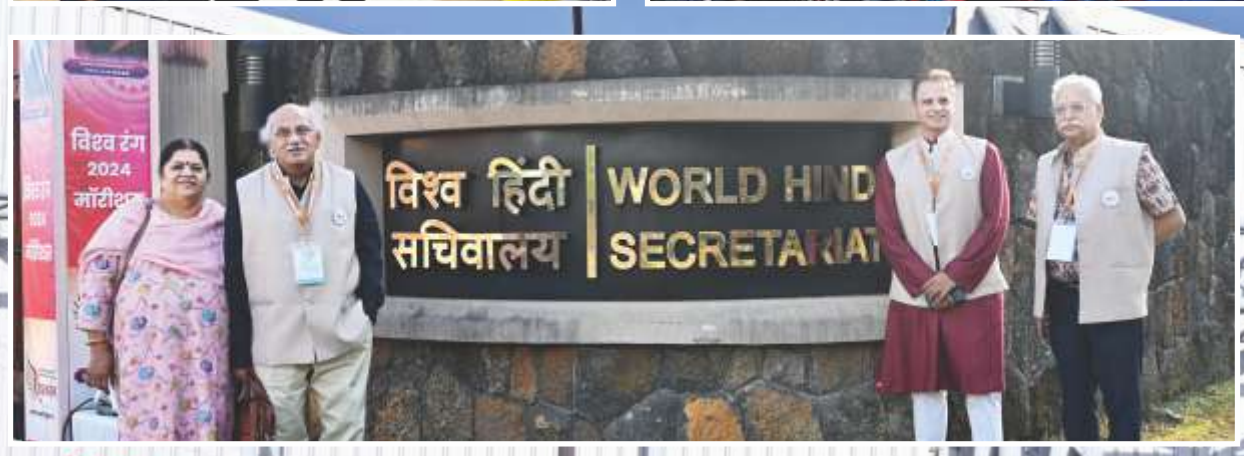

विश्व रंग

भारतीय संस्कृति, वैश्विक मंच!

आयोजक

RNTU Rabindranath TAGORE UNIVERSITY MADHYA PRADESH, BHOPAL

विश्व हिंदी सचिवालय

फिर मिलेंगे... के संकल्प के साथ

विश्व रंग 2024 का

मॉरीशस में हुआ भव्य समापन समारोह

- अफ्रो-एशिया अंतरराष्ट्रीय विश्व रंग सम्मान की घोषणा
- विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलम्पियाड की घोषणा
- टैगोर अंतरराष्ट्रीय केंद्र के अंतर्गत एक करोड़ लोगों को जोड़ेंगे हिंदी अर्जन पाठ्यक्रम से

> विश्व रंग ने भारत और मॉरीशस के सांस्कृतिक–शैक्षिक संबंधों को मजबूती प्रदान की
>
> –श्री प्रवीण कुमार जगनाथ, प्रधानमंत्री, मॉरीशस गणराज्य

हिंदी के वैश्विक प्रचार–प्रसार व साहित्य, कला, संस्कृति के लिए समर्पित विश्व रंग 2024 के भव्य आयोजन ने भारत और मॉरीशस के सांस्कृतिक – शैक्षिक संबधों को मजबूती प्रदान करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। विश्व रंग के विभिन्न सत्रों में हुए वैचारिक विमर्श से जो विचार हमारे सामने आए हैं, हम मिलकर उस दिशा में सार्थक कदम बढ़ाएंगे। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (भोपाल, भारत) तथा महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस के बीच मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैडिंग (एम.ओ.यू.) होना आपसी समन्वय से दीर्घकाल तक रचनात्मक और सृजनात्मक कार्यों के अवसर उपलब्ध कराएगा। विश्व रंग के ऐतिहासिक आयोजन और एम.ओ.यू. के लिए विश्व रंग के निदेशक व रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्व विद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे को बहुत–बहुत हार्दिक बधाई! विभिन्न देशों से आए प्रतिनिधियों को भी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उक्त उद्गार माननीय श्री प्रवीण कुमार जगनाथ, प्रधानमंत्री, मॉरीशस गणराज्य ने विश्व रंग 2024 के समापन समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

इस अवसर पर श्री संतोष चौबे, निदेशक, विश्व रंग एवं कुलाधिपति, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (भोपाल, भारत) ने कहा कि विश्व रंग के समापन समारोह में हम अलविदा नहीं कह रहे हैं, हम इस अवसर पर फिर मिलेंगे... के संकल्प के साथ अपने–अपने देश लौट रहे हैं। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (भोपाल, भारत) तथा महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस के बीच मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैडिंग (एम.ओ.यू.) का होना दोनों देशों को भाषा, शिक्षा, साहित्य, कला, संस्कृति की दिशा में आपस में मिलजुलकर रचनात्मक कार्यों को बढ़ावा देने के महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा।

आपने आगे कहा कि जब फरवरी में मॉरीशस में आना हुआ था, तब मॉरीशस के महामहिम राष्ट्रपति जी, माननीय प्रधानमंत्री जी एवं माननीया उपप्रधानमंत्री जी से भेंट करने का शुभ अवसर प्राप्त हुआ था। उस समय रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय और मॉरीशस सरकार सहित मॉरीशस के महत्वपूर्ण संस्थानों, संस्थाओं विशेषकर विश्व हिंदी सचिवालय, महात्मा गांधी संस्थान, रबीन्द्रनाथ टैगोर संस्थान, हिंदी स्पीकिंग यूनियन, हिंदी प्रचारिणी सभा, इंदिरा गांधी भारतीय सांस्कृतिक केन्द्र, मॉरीशस ब्रॉडकास्टिंग, मॉरीशस दूरदर्शन एवं रेडियो के अधिकारियों से भी सार्थक विचार विमर्श हुआ था। उल्लेखनीय है कि विश्व रंग 2024 का मॉरीशस में भव्य , अद्भुत, अद्वितीय आयोजन इसी का सुखद परिणाम है।

शेष पेज नं. 2 पर...

> हम नई ऊँचाइयों और नये रंगों के साथ फिर मिलेंगे।
>
> –श्री संतोष चौबे, निदेशक विश्व रंग

एक करोड़ लोगों को जोड़ेंगे

हिंदी अर्जन पाठ्यक्रम से

अफ्रो-एशिया अंतरराष्ट्रीय विश्व रंग सम्मान की घोषणा

मॉरिशस में आयोजित विश्व रंग 2024 के समापन अवसर पर श्री संतोष चौबे ने कहा रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय परिसर में 'टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केन्द्र' की स्थापना की गई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी पठन–पाठन के लिए हिंदी अर्जन पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया। मानकीकरण और प्रमाणीकरण का कार्य भी किया गया है। हम पूरे विश्व में एक करोड़ लोगों को हिंदी पठन–पाठन कार्यक्रम से जोड़ेंगे।

विश्व रंग के निदेशक संतोष चौबे ने इस अवसर पर घोषणा करते हुए कहा कि विश्व रंग 2025 से 'शिक्षा, साहित्य, कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर कार्य करने वाली शख्सियत को 'अफ्रो–एशिया अंतरराष्ट्रीय विश्व रंग सम्मान' से अलंकृत किया जाएगा।

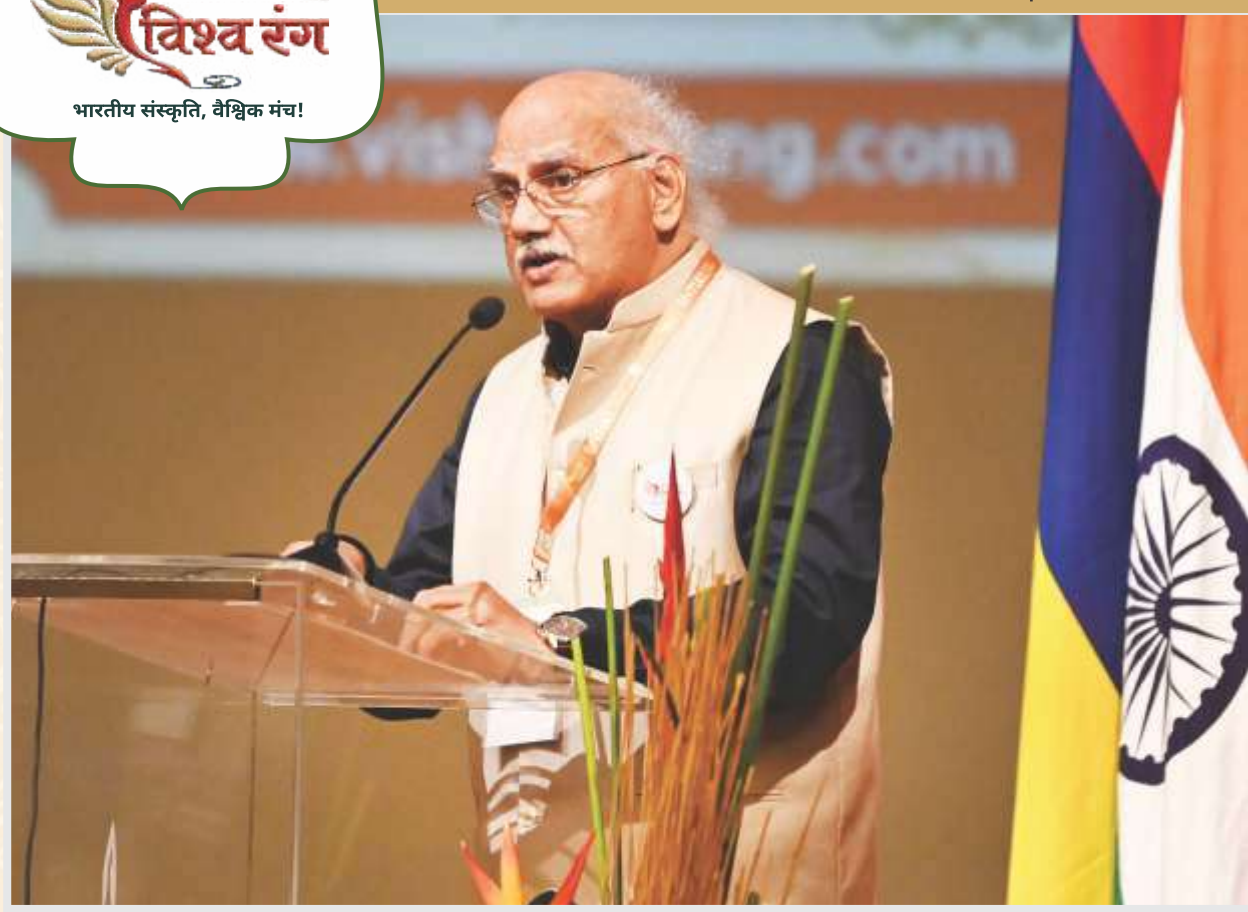

मॉरिशस में विश्व रंग

भाषा सम्मान 2024 से सम्मानित हुई देश-विदेश की विभूतियाँ

विश्व रंग 2024 में माननीय श्री प्रवीण कुमार जगनाथ, प्रधानमंत्री, मॉरीशस गणराज्य एवं श्री संतोष चौबे, निदेशक विश्व रंग व कुलाधिपति, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (भोपाल, भारत) के करकमलों से हिंदी के लिए अलग अलग परिवेश में महत्वपूर्ण कार्य करने वाली विभूतियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. लालदेव अंचराज (मॉरीशस), वरिष्ठ रचनाकार डॉ. हेमराज सुंदर(मॉरीशस), सुप्रसिद्ध लोकगायिका डॉ. मालिनी अवस्थी (भारत), ख्यात बांग्ला गायिका सश्री जयति चक्रवर्ती (भारत), वरिष्ठ शिक्षाविद् एवं रचनाकार डॉ. पद्मेश गुप्त (यू.के.), वरिष्ठ कथाकार डॉ. दिव्या माथुर (यू.के.), सुप्रसिद्ध तकनीकी विशेषज्ञ एवं रचनाकार डॉ. बालेन्दु दाधीच शर्मा (भारत) को 'विश्व रंग भाषा सम्मान 2024' से सम्मानित किया गया।

TAGORE INTERNATIONAL LITERATURE & ARTS FESTIVAL
विश्व रंग
भारतीय संस्कृति, वैश्विक मंच!

सम्मान समारोह

विश्व रंग 2024 के अवसर विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस के सभागार में आयोजित भव्य अभिनंदन समारोह में पंडित तिलक राज स्मृति संस्थान, न्यूयॉर्क, अमेरिका के अध्यक्ष, इंद्रजीत शर्मा द्वारा डॉ. उदयनारायण गंगू, अध्यक्ष, हिंदी स्पीकिंग यूनियन (मॉरीशस) को पं. तिलक राज शर्मा स्मृति शिखर सम्मान प्रदान किया गया। इस सम्मान के रूप में एक लाख एक हजार रुपये, शॉल, श्रीफल, प्रशस्तिपत्र प्रदान कर डॉ. उदयनारायण गंगू जी को सम्मानित किया गया। यह सम्मान विश्व रंग के निदेशक श्री संतोष चौबे, विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस की महासचिव डॉ. माधुरी रामधारी, श्री इन्द्रजीत शर्मा (अमेरिका), एवं श्री संजय सिंह राठौर, सचिव, विश्व रंग सचिवालय द्वारा प्रदान किया गया। विश्व हिंदी सचिवालय हिंदी भाषा के उन्नत भविष्य के प्रति साझा संकल्प रखने वाले दो मित्र देशों – भारत और मॉरीशस – की सरकारों द्वारा स्थापित तथा संचालित द्विराष्ट्रीय संस्था ने हिंदी को संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक भाषाओं में शामिल करवाने तथा वैश्विक मंचों पर उसकी प्रतिष्ठानुकूल उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए और वैश्विक स्तर पर हिंदी को समृद्ध करने के लिए ही मॉरिशस में लोकप्रिय वैश्विक मंच "विश्व रंग 2024" का आयोजन किया है इसमें हिंदीभाषियों, हिन्दी से जुड़ी संस्थाओं और व्यक्तित्वों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

पंडित तिलक राज शर्मा स्मृति शिखर सम्मान

हिंदी स्पीकिंग यूनियन (मॉरीशस) के अध्यक्ष डॉ. उदयनारायण गंगू को पंडित तिलक राज शर्मा स्मृति शिखर सम्मान से अलंकृत करते हुए विश्व रंग के निदेशक श्री संतोष चौबे

हिन्दी की उपब्धियां विषय पर विमर्श

विश्व रंग के माध्यम से हिंदी की उपलब्धियाँ विषय पर आयोजित विमर्श विश्व रंग के निदेशक संतोष चौबे की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इसमें प्रवासी रचनाकारों ने श्री संतोष चौबे से रचनात्मक बातचीत की। सत्र के सूत्रधार की बागडोर कुणाल सिंह ने संभाली। सत्र का संयोजन ज्योति रघुवंशी ने बातचीत के माध्यम से किया।

वैश्विक स्तर पर हिंदी में अनुवाद संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठकवि अरुण कमल (भारत) ने की। इस सत्र में वक्तागण के रूप में वरिष्ठ कवि डॉ. जितेंद्र श्रीवास्तव (भारत), सान-यन-उ (दक्षिण कोरिया), डॉ. सफर्मो तोलिबी (रूस) रीता कुमार (भारत) डॉ. तनुजा पदारथ बिहारी (मॉरीशस) ने अपने विचार व्यक्त किये। सत्र का संचालन युवा कथाकार कुणाल सिंह द्वारा किया गया।

विश्व में हिंदी रू माध्यम और मानकीकरण (देवनागरी लिपि के संदर्भ में) विषय पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ रचनाकार एवं अनुवादक श्री जानकी प्रसाद शर्मा (भारत) ने की। इस सत्र में बालेन्दु दाधीच शर्मा(भारत), प्रो. वेदप्रकाश सिंह (जापान), अलका धनपत (मॉरीशस), डॉ. संजीता वर्मा (नेपाल), डॉ. वी. वैंकटेश्वर राव (भारत) ने अपने विचार प्रस्तुत किये। सत्र का संचालन डॉ. जवाहर कर्नावट ने किया।

लेखक से मिलिये में वरिष्ठ कवि बलराम गुमास्ता से वरिष्ठ कथाकार मुकेश वर्मा, सविता भार्गव (भारत) और अपर्णा वत्स (आस्ट्रेलिया) ने कविता के विभिन्न पहलुओं पर वार्ता की।

समालोचनात्मक दृष्टि और प्रवासी साहित्य विषय पर सत्र की अध्यक्षता विश्व रंग के निदेशक संतोष चौबे द्वारा की गई। इस सत्र में वरिष्ठ संपादक-आलोचक अखिलेश (भारत), प्रवासी संसार के संपादक डॉ. राकेश पाठक (भारत), डॉ. लक्ष्मी झमन (मॉरीशस), डॉ. सुरेश ऋतुपर्ण (भारत) ने अपने विचार व्यक्त किये। सत्र का संचालन युवा आलोचक अच्युतानंद मिश्र (भारत) ने किया।

कत्रिम मेधा: हिंदी और भविष्य की चुनौतियाँ विषय पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ रचनाकार-पत्रकार प्रियदर्शन ने की। इस सत्र में बालेन्दु दाधीच शर्मा (भारत), वंदना मुकेश (यू. के.) प्रो. राज शेखर (मॉरीशस), एवं महीप निगम (भारत) द्वारा विचार साझा किये गये। आभार डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, सह-निदेशक, विश्व रंग द्वारा दिया गया। सत्र का संचालन विश्व रंग सचिवालय के सचिव, संजय सिंह राठौर द्वारा किया गया।

लेखक से मिलिए सत्र में वरिष्ठ कथाकार से युवा कथाकार आशुतोष द्वारा बातचीत की गई। इसी क्रम में वरिष्ठ कवि नीलेश रघुवंशी से युवा कथाकार एवं वनमाली कथा के संपादक कुणाल सिंह द्वारा बातचीत की गई।

हिन्दी फिल्में और विश्व हिंदी प्रसार

विश्व हिन्दी साहित्य में नई अभिव्यक्ति

वैश्विक स्तर पर हिन्दी में अनुवादः संभावनाएं और चुनौतियां

विश्व में हिन्दीः माध्यम और मानकीकरण (देवनागरी लिपि के विशेष संदर्भ में)

लेखक से मिलियेः बलराम गुमास्ता से बात-चीत

समालोचनात्मक दृष्टि और प्रवासी साहित्य

कृत्रिम मेधा: हिंदी और भविष्य की चुनौतियां

लेखक से मिलिये: अल्पना मिश्र एवं निलेश रघुवंशी से बातचीत

समापन समारोह
विश्व रंग 2024
मॉरीशस

विश्व रंग 2024 के अंतिम दिन

पद्मश्री मालिनी अवस्थी

ने लोकगीतों से देशप्रेम की अलख जगाई

भारत की सुप्रसिद्ध लोक गायिका पद्मश्री मालिनी अवस्थी ने विश्व रंग के अंतर्गत अपने ओजस्वी लोकगीतों से महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस के सभागार में उपस्थित लोगों को भावविभोर कर दिया।

लोकगीतों की सुमधुर और भावविह्वल कर देने वाली तानों का आगाज करते हुए मालिनी अवस्थी ने जब फिरंगियों द्वारा प्रतिबंधित
देशभक्ति से ओतप्रोत लोकगीतों की प्रस्तुति की तो महात्मा गांधी संस्थान (मॉरीशस) में उपस्थित हजारों श्रोताओं की आँखें नम हो गईं।

वंदेमातरम गीत से उन्होंने गिरमिटियाओं के संघर्षों को शत शत नमन किया। इस ऐतिहासिक प्रस्तुति में संगत में की-बोर्ड पर सचिन कुमार, हारमोनियम पर राजेश मिश्रा, ढोलक और तबले पर अमित कुमार और ऑक्टोपेड पर धर्मेंद्र कुमार रहे।

विश्व रंग के 'पूर्व रंग' में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को समारोह पूर्वक किया गया पुरस्कृत

विश्व रंग के अंतर्गत जून-जुलाई माह में मॉरीशस में विभिन्न स्तरों पर विश्व रंग की 'पूर्व रंग' गतिविधियों का आयोजन किया गया। इनमें हिंदी प्रचारिणी सभा(मॉरीशस)ने पठन, भाषण और कविता की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। हिंदी स्पीकिंग यूनियन (मॉरीशस) द्वारा गीत प्रतियोगिता एवं इंदिरा भारतीय कला केंद्र (मॉरीशस) द्वारा नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई। महात्मा गांधी संस्थान (मॉरीशस) ने नुक्कड़नाटक प्रतियोगिता आयोजित की।

इन प्रतियोगिताओं में हजारों विद्यार्थियों और युवाओं ने रचनात्मक भागीदारी की। विश्व रंग के अवसर इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं की मनमोहक प्रस्तुतियाँ हुईं। विश्व रंग के निदेशक संतोष चौबे ने सभी विजेताओं को रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (भोपाल, भारत) की ओर से सम्मान राशि और प्रशस्तिपत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

Organised By: RNTU Rabindranath TAGORE UNIVERSITY | विश्व हिन्दी सचिवालय, मॉरीशस

Supported By:

Powered By: SCOPE GLOBAL SKILLS UNIVERSITY — CENTRAL INDIA'S 1st SKILLS UNIVERSITY | AISECT UNIVERSITY — JHARKHAND, HAZARIBAG AN AISECT GROUP UNIVERSITY | DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY — Chhattisgarh | Madhya Pradesh | Bihar AN AISECT GROUP UNIVERSITY

AISECT Education. Empowerment. Enterprise. | SCOPE GROUP OF INSTITUTIONS | वनमाली सृजन पीठ | AISECT STUDIO | AISECT Publication | TAGORE NATIONAL SCHOOL OF DRAMA | Brainy Bear Pre-School & Activity Club Let's make learning fun | eduvantage | Get Set Parent with PALLAVI A Guide To New Age Parenting

Photos & Design : Mujeeb Faruqui & Saeed Faruqui / TMS Design Studio

TAGORE INTERNATIONAL LITERATURE & ARTS FESTIVAL
विश्व रंग
भारतीय संस्कृति, वैश्विक मंच!

TAGORE INTERNATIONAL LITERATURE & ARTS FESTIVAL

विश्व रंग

भारतीय संस्कृति, वैश्विक मंच!

TAGORE INTERNATIONAL LITERATURE & ARTS FESTIVAL

विश्व रंग

भारतीय संस्कृति, वैश्विक मंच!

खबरों में विश्व रंग 2024

दैनिक भास्कर

विश्व रंग-2024 का मॉरिशस में आगाज, क्षमा मालवीय के निर्देशन में प्रस्तुति

मॉरिशस में 'होली हो ब्रजराज' से भोपाल के कलाकारों ने दिया अमन-प्रेम का पैगाम

दिखाई वृंदावन और गोकुल के मेल-मिलापों में राधा-कृष्ण की होली

11 किताबें हुई लोकार्पित

मॉरिशस के कलाकारों ने दी राजस्थान, गुजरात, भोजपुरी और मॉरिशस के सतरंगी रंगों से सजी नृत्य प्रस्तुतियाँ

समय जगत

रंग 2024 का मॉरिशस में हुआ भव्य आगाज

The Hitavada

Bhopal City Line | 2024-08-11 | Page-3

ehitavada.com

Rabindranath Tagore's statue unveiled in Mauritius during Vishwarang celebrations

Staff Reporter

PRESIDENT of Mauritius, Prithvirajsing Roopun on Saturday inaugurated the bust of Rabindranath Tagore during the Vishwarang celebrations at Mauritius. During the inauguration, President Rupun called this moment historic and said, "India and Mauritius have a shared..."

नवदुनिया सिटी

मॉरिशस में साकार हुआ विश्वरंग महोत्सव

दैनिक जागरण

भोपाल, 10 अगस्त 2024 — विविध

साहित्य, कला, संस्कृति के वैश्विक महोत्सव विश्वरंग 2024 का मॉरिशस में हुआ भव्य रंगारंग शुभारंभ

हरिभूमि

epaper.haribhoomi.com

Bhopal Main - 10 Aug 2024 - Page 6

मॉरिशस में निकली अंतरराष्ट्रीय शोभायात्रा, विश्वरंग जिंदाबाद के ...

कला, संस्कृति, साहित्य और भाषा को संजोने मॉरिशस के विश्व हिंदी सचिवालय में पूर्ण भव्यता के साथ...

कलाकारों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

रीशस के राष्ट्रपति ने किया गुरुदेव रवींद्रनाथ गोर की मूर्ति का अनावरण किया

राज एक्सप्रेस

रविवार, 11 अगस्त, 2024

मॉरिशस के राष्ट्रपति ने किया रवींद्रनाथ टैगोर की मूर्ति का अनावरण

मॉरिशस में विश्व रंग होना ऐतिहासिक : पृथ्वीराज

फिल्मी गीतों की प्रस्तुति

फिर मिलेंगे... के संकल्प के साथ विश्व रंग 2024 का मॉरिशस में हुआ समापन

नवभारत — भोपाल लाइव

मॉरिशस में टैगोर की प्रतिमा का अनावरण

साहित्य, कला, संस्कृति के वैश्विक महोत्सव विश्व रंग 2024 का आयोजन

the pioneer

BHOPAL | SATURDAY | AUGUST 10, 2024

Vishwa Rang 2024, inaugurated with great pomp in Mauritius

सच एक्सप्रेस

भोपाल - मध्य स्वदेश — 11 Aug 2024

मध्य स्वदेश

आयोजन — गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की मूर्ति का किया अनावरण

मॉरिशस में विश्व रंग का होना ऐतिहासिक सांस्कृतिक घटना : पृथ्वीराज सिंह

समय जगत

विश्व रंग ने भारत और मॉरिशस के सांस्कृतिक- शैक्षिक संबंधों को प्रदान...

विश्व रंग 2024: मॉरिशस में ऐतिहासिक शुभारंभ

महासागर के बीच कला, संस्कृति, साहित्य, और भाषा का संगम

स्वदेश

गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की मूर्ति का अनावरण मॉरिशस के राष्ट्रपति ने किया

मॉरिशस में विश्व रंग 2024 का होना एक ऐतिहासिक सांस्कृतिक घटना

जयति चक्रवर्ती ने रवीन्द्र संगीत से बांधा समां

कविता पाठ का आयोजन

वैचारिक सत्रों की झलकियां...

...मॉरिशस में हुआ भव्य रंगारंग शुभारंभ